

प्रेषक,

दीपक कुमार,

सचिव

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

उत्तराखण्ड अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र,

देहरादून।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अनुभाग:

देहरादून: दिनांक: 02 मार्च, 2016

विषय:- उत्तराखण्ड अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र (यू-सैक) के ग्राम डांडा लखौण्ड में प्रशासनिक भवन के निर्माण हेतु धनराशि की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या यू-सैक/मुख्या0/326/2015/461 दिनांक 9 दिसम्बर 2015 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्रश्नगत कार्य हेतु शासन को उपलब्ध कराये गए आगणन 417.23 लाख का टी0ए0सी0, वित्त विभाग के परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण पायी गई धनराशि रू0 415.44 लाख एवं उक्त के अतिरिक्त आगणन में बाजार दरों के आधार पर प्राविधानित धनराशि रू0 81.04 लाख अर्थात् कुल आंकलित धनराशि रू0 496.48 लाख पर प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रश्नगत कार्य हेतु वित्तीय वर्ष 2015-16 में उत्तराखण्ड अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र (यू-सैक) के ग्राम डांडा लखौण्ड के प्रशासनिक भवन के निर्माण हेतु प्रथम किस्त के रूप में संलग्न आई0डी0 के अनुसार श्री राज्यपाल महोदय रू0 14.00 लाख (चौदह लाख) की धनराशि के व्यय की सहर्ष स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

1. कार्यदायी संस्था को धनराशि अवमुक्त किये जाने से पूर्व नियोजन विभाग द्वारा निर्गत शासनादेश के क्रम में एम0ओ0यू0 अवश्य करा लिया जाय।
2. कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
3. कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाये जितनी मदवार धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
4. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
5. निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाये तथा विशिष्टियों के अनुरूप सामग्री ही प्रयोग में लायी जाये।
6. विस्तृत आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
7. स्वीकृति विस्तृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आगणन के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति की दशा में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाये।
8. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/xiv-219 (2006) दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने तथा समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायें।

9. आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व **uttrakhand procurement rules, 2008** का अनुपालन सुनिश्चित किया जाये।
10. कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।
11. कार्य करने से पूर्व किसी तकनीकी अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो तो प्राप्त करके ही कार्य प्रारम्भ किया जाय।
12. भवन निर्माण के सम्बन्ध में लोक निर्माण विभाग/वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। निर्माण कार्य निर्धारित समयानुसार सुनिश्चित किया जायेगा तथा स्वीकृत धनराशि जिलाधिकारी, देहरादून से प्रतिहस्ताक्षरित कराने के उपरान्त कोषागार में जमा कराते हुए धनराशि आहरित की जायेगी।
13. स्वीकृत की जा रही धनराशि दिनांक 31.03.2016 तक पूर्ण उपयोग कर उपयोगिता प्रमाण-पत्र वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण शासन को प्रतिमाह उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

2- इस सम्बन्ध में किया जाने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2015-16 में अनुदान संख्या-23,आयोजनागत (मतदेय) लेखाशीर्षक 4859 - दूरसंचार तथा इलेक्ट्रॉनिक उद्योगों पर पूंजीगत परिव्यय, 02- इलेक्ट्रॉनिक, 800- अन्य व्यय, 11-उत्तराखण्ड अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र(यू-सैक)का भवन निर्माण, 00- 35- पूंजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन हेतु अनुदान के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के अशा0 संख्या 158P/XXXVIII(5)/2015-16 दिनांक 26 फरवरी, 2016 द्वारा प्रदत्त सहमति के क्रम में निर्गत की जा रही है।

संलग्नक: अलॉटमेंट आई0डी0

भवदीय,

(दीपक कुमार)  
सचिव

पृष्ठांकन संख्या: 109 (1)/XXXVIII/16-56/2011, तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
2. जिलाधिकारी, देहरादून।
3. वरिष्ठ कोषाधिकार/कोषाधिकार, देहरादून।
4. अपर सचिव, वित्त-बजट।
5. निजी सचिव, मा0 मंत्री, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
6. नियोजन विभाग।
7. वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
8. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर।
9. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(राजेन्द्र सिंह पतियाल)  
उपसचिव।